LOK SABHA

*Wednesday, July 26, 1967/Sravana 4, 1889 (Saka).*

*The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.*

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

**विशाखापत्तनम बन्दरगाह के कर्मचारियों द्वारा हड़ताल**

4

*1381. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री राम सिंह अयरवाल :**
**श्री भारत सिंह चौहान :**

क्या **श्रम तथा पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1964 से ले कर 1967 तक की अवधि के लिए बोनस की मांग के सम्बन्ध में विशाखापत्तनम बन्दरगाह के सात सौ कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि हड़ताल का प्रभाव उन जहाजों पर पड़ा है जिन्होंने इस पत्तन पर लंगर डाले हैं ;

(ग) यदि हां, तो इस मामले में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ;

(घ) तीन वर्षों के बोनस की देय राशि कितनी है ; और

(ङ) इस हड़ताल के कारण प्रति दिन कितनी हानि हो रही है ?

**श्रम तथा पुनर्वास मंत्री (श्री हाथी) :** (क) विशाखापत्तनम बन्दरगाह के 1186 नौभरक कर्मचारी 10 से 29 अप्रैल, 1967 तक हड़ताल पर रहे ।

(ख) जी हां ।

(ग) सरकार ने यह विवाद न्याय-निर्णय के लिए औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास भेज दिया ।

(घ) औद्योगिक न्यायाधिकरण ने अभी तक निर्णय नहीं दिया है ।

(ङ) यह सूचना मिली है कि जहाज मालिकों को लगभग 21 लाख, श्रमिकों को 2 लाख और पोर्ट ट्रस्ट को एक लाख 20 हजार रुपये का नुकसान हुआ है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** मैं यह जानना चाहता हूं कि यह संघर्ष या इन मजदूरों का आन्दोलन पिछले कितने दिनों से चला आ रहा था, और इसके सुलझाने में सरकार की ओर से विलम्ब के कारण क्या हैं ? इस प्रकार के मामले इतने लम्बे न चलने पायें इसके लिए सरकार ने कौन से कदम उठाये हैं ?

**श्री हाथी :** मैं पूरी तौर से सहमत हूं कि मामले लम्बे नहीं चलने चाहियें । मार्च महीने से मेरे खयाल से समाधान करने की शुरूआत हुई थी । समाधान तक पहुंच भी गये थे और कुछ तय होने वाला था । लेकिन आपस में एक यूनियन ने एक मांग की और दूसरी ने दूसरी मांग की । एक ने मांगा कि 4 परसेंट मिनिमम दिया जाये । दूसरी ने कहा कि हमें ढाई महीने तनख्वाह दो । इस तरह की बातचीत में कुछ तय नहीं हो सका । मामले को ट्राइब्यूनल के पास भेज दिया गया ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या मंत्री महोदय बतलाने का कष्ट करेंगे कि क्या उनको मजदूरों ने एक ज्ञापन दिया है जिसमें यह मांग नहीं, इसके अतिरिक्त अन्य अनेक मांगें हैं ? जैसा मंत्री महोदय ने बतलाया कि मामला

विचाराधीन है और इस वक्त न्यायाधिकरण में मामला चल रहा है, तो इसमें कितना समय लगेगा सुलझाने में और उनकी मांगें क्या-क्या हैं तथा उनका फैसला कब तक होगा ?

**श्री हाथी** : अब विचाराधीन नहीं है । निर्णय भी कर दिया गया है और ट्राइब्यूनल को भेज दिया गया है । अब कोई विचार की बात नहीं है । जल्दी से जल्दी इसका फैसला भी आ जायेगा ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय** : मैंने पूछा था कि जो ज्ञापन दिया है .....

**श्री हाथी** : जो झगड़ा है वह बोनस के लिये है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय** : इस के अलावा और भी मांगें तो थी ?

**श्री हाथी** : और मांगें मेरे पास नहीं हैं, वह वहां दी होंगी ।

**Defects in Qutab Minar**

\+

***1383. Shri Sharda Nand:**
**Shri J. B. Singh:**
**Shri Ranjit Singh:**

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether an Expert Committee appointed to go into the defects in the foundations of the Qutab Minar has recently submitted its report;

(b) whether the Committee have recommended further cementing of its foundations; and

(c) if so, whether Government propose to provide necessary funds for the purpose?

**शिक्षा मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह)**: (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) जैसे ही धनराशि उपलब्ध होगी ।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : कहां से धन उपलब्ध होगा ?

**श्री शेर सिंह** : जहां से आप लोग मंजूर करेंगे ।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या आसमान की तरफ नजर रख कर मंत्री महोदय बैठे हैं ?

**श्री शेर सिंह** : आप लोग मंजूर करेंगे ।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : सरकार यह बतलाये कि पैसे देने जा रही हैं या नहीं । पैसा मिलने पर कहने का क्या मतलब है ? अगर मांगेंगे तभी तो हम लोग देंगे ।

**श्री शारदा नन्द** : क्या मंत्री जी बतलाने की कृपा करेंगे कि जो समिति नियुक्त की गई थी उसने कितने दिनों में अपनी रिपोर्ट दी और उस पर कितना खर्च हुआ ?

**श्री शेर सिंह** : समिति जुलाई, 1964 में नियुक्त हुई और मई, 1965 में उसने अपनी रिपोर्ट दी । कितना खर्च हुआ इसके लिये मुझे नोटिस चाहिये ।

**श्री शारदा नन्द** : क्या सरकार इस पर जल्दी से जल्दी विचार करके इसको ठीक कराने का प्रयत्न करेगी ताकि दर्शकों को सुविधा हो सके ?

**श्री शेर सिंह** : अभी हमने इसके लिये 10 लाख 20 हजार रुपये का एस्टिमेट तैयार करवाया है । पहले इसकी बुनियाद जो कमजोर है उसको ठीक करने के लिये, इसमें सीमेंट भरने के लिये, फोल्डिंग एरेक्शन के लिए और ऊपर सारा मजबूत करके जो पत्थर खराब हो गये हैं उनकी जगह पर दुबारा अच्छे मजबूत पत्थर डालने के लिये, एस्टिमेट तैयार हो गया है, और जैसे ही पैसा मंजूर हो गया इस पर काम चालू हो जायेगा । मैं समझता हूं कि अगर जल्दी हुआ तो इस चले